❀ श्रीराधासर्वेश्वरो विजयते ❀

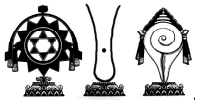

❀ श्रीभगवन्निम्बार्काचार्याय नमः ❀

विविध पञ्चाङ्ग समन्वित वि०सं० २०८३ का कपालवेध मतानुसार

श्रीनिम्बार्क व्रतोत्सव निर्णय

(श्रीनिम्बार्काब्द ५१२१-५१२२, शकाब्द १९४८, सन् २०२६-२०२७)

सम्पादक :

निम्बार्कभूषण पं० विश्वामित्र व्यास, निम्बार्कतीर्थ

(व्या०सा० वेदान्ताचार्य)

एवं

पं. पवन गौड़ पुरोहित

जयकिशोरशरण, वृन्दावन

पं. पवन कुमार शास्त्री

प्रकाशक :

श्री नारायणशरण

श्री 'श्रीजी' की बड़ी कुञ्ज, श्रीधाम वृन्दावन

मोबाइल : ९७६०२११२८७

प्रथमावृत्ति	चैत्र	न्यौछावर
२०००	२०८३	सदुपयोग

श्रीजी की बड़ी कुञ्ज - वृन्दावन के दर्शनीय उत्सव-समारोह

१. **पाटोत्सव**—ठा० श्रीआनन्दमनोहरवृन्दावनचन्द्रजी महाराज का पाटोत्सव इस वर्ष १७ जून से २३ जून तक सम्पन्न होगा। इसके उपलक्ष्य में समाज-गायन, फूल बंगला, प्रवचन आदि का विशेष कार्यक्रम रहेगा। उत्सव पूर्ति पर श्रीवृन्दावन सत्संग-मण्डल का वार्षिक समारोह भी मनाया जायेगा।

२. **रथयात्रा**— यह उत्सव १६ जुलाई को सम्पन्न होगा।

३. **झूलनोत्सव**— वृन्दावन का झूलनोत्सव विश्व प्रसिद्ध है। सभी विशिष्ट मन्दिरों में अद्‌भुत झाँकी होती है। सुदूर देशों से श्रीधाम वृन्दावन में दर्शनार्थी श्रद्धा एवं भावनापूर्वक चले आते हैं। यों तो पूरे श्रावण मास यहाँ चहल-पहल रहती है, परन्तु इन तेरह दिनों का आनन्दोल्लास विलक्षण रहता है।

आचार्यपाद श्री 'श्रीजी' महाराज एवं सनकादि सेवित श्रीसर्वेश्वर प्रभु के दर्शनों का यहाँ अलभ्य लाभ मिलता है। यह झूलनोत्सव १५अगस्त से २८ अगस्त तक सम्पन्न होगा।

५. **शरत्पूर्णिमा**— यह महोत्सव २५ अक्टूबर को सम्पन्न होगा।

६. **अन्नकूट**— यह महोत्सव १० नवम्बर को सम्पन्न होगा।

७. **श्रीनिम्बार्क जयन्ती महोत्सव**—यह महोत्सव वृन्दावन एवं ब्रजमण्डल आदि के सभी साम्प्रदायिक स्थानों में मनाया जाता है। श्रीजी की बड़ी कुञ्ज में श्रीआचार्य अभिषेक, उनके रचित ग्रन्थों का पाठ एवं अन्य दिवसों में समाज-गायन (बधाई), विद्वत्-संगोष्ठी, प्रवचन तथा वैष्णव-सेवा आदि समारोह विशेष रूप से २४ नवम्बर से २७ नवम्बर तक सम्पन्न होंगे।

८. **डोलोत्सव**—यह अनुपम झाँकी २२ मार्च को सम्पन्न होगी।

आठ महाद्वादशी

जया, विजया, जयन्ती, पापनाशिनी, उन्मोलिनी, वंजुलिनी, त्रिस्पृशा और पक्षवर्द्धिनी ये आठ महाद्वादशी हैं। इनका योग इस प्रकार बनता है, जैसे किसी भी मास के शुक्लपक्ष की द्वादशी पुनर्वसु नक्षत्र से युक्त हो तो पापनाशिनी तथा श्रवण-नक्षत्र से युक्त हो तो चाहे शुक्लपक्ष हो अथवा कृष्णपक्ष वह विजया नामक महाद्वादशी कहलाती है। इसी प्रकार एकादशी पूर्ण हो और दूसरे दिन भी कुछ एकादशी हो तो वह द्वादशी उन्मीलिनी कहलाती है और यदि एकादशी और द्वादशी सम्पूर्ण हो और त्रयोदशी को भी कुछ अवशिष्ट हो तो वह द्वादशी वंजुलिनी महाद्वादशी कहलाती है। द्वादशी का क्षय होकर रात्रि शेष में त्रयोदशी हो तो वह त्रिस्पृशा तथा अमावस्या व पूर्णिमा दो हो जाये तो वह पक्षवर्द्धिनी कहलाती है। इनका योग आ जाने पर दोनों सम्भव न हो तो शुद्धा एकादशी को छोड़कर महाद्वादशी में ही व्रत करना चाहिये, ऐसी शास्त्रों की आज्ञा है।

एकादशी भवेत्पूर्णा परतो द्वादशी भवेत्।
तदा ह्येकादशीं त्यक्त्वा द्वादशीं समुपोषयेत्॥ (स्कन्दपुराण)

एकादशी पूर्ण हो अथवा पूर्व तिथि दशमी विद्धा न हो और अग्रिम तिथि द्वादशी महाद्वादशी के रूप में हो, तब ऐसी अवस्था में एकादशी तिथि में एकादशी व्रत को त्यागकर महाद्वादशी के दिन ही व्रत करना चाहिये। यह शास्त्रीय विधान है।

'**वैष्णव धर्म सुरद्रुम मञ्जरी**' के आचार तिलक के पृष्ठ १३६ पर अंकित श्लोक के अनुसार-

पर्वाच्युतजयावृद्धौ, ईशदुर्गान्तकक्षये।
शुद्धाप्येकादशी त्याज्या द्वादश्यां समुपोषणम्॥ (ब्रह्मवैवर्तपुराण)

पर्व (पूर्णिमा, अमावस्या) अच्युत (द्वादशी) जया (त्रयोदशी) की वृद्धि हो और ईश (अष्टमी) दुर्गा (नवमी) अन्तक (दशमी) इनमें से किसी एक का क्षय हो तो शुद्धा एकादशी छोड़कर भी द्वादशी में व्रत करें।

कपालवेध-परिज्ञान

आद्याचार्य जगद्गुरु श्रीनिम्बार्कभगवान ने एकादशी-व्रतोपवास एवं भगवत्-भागवत जयन्तियों में तिथि का उदयकाल अर्द्धरात्र ४५ घटी पर ही स्वीकार किया है। स्वयं श्रीवेदव्यासजी ने भविष्यपुराण में श्रीनिम्बार्काचार्यजी के वेध विधायक विचार प्रतिपादित किये हैं—

उदयव्यापिनी ग्राह्या कुले तिथिरुपोषणे।
निम्बार्को भगवान्येषां वाच्छितार्थ-प्रदायकः॥

४५ घटी से उपरान्त दशमी हो तो वह आगामी (एकादशी) तिथी का स्पर्श कर लेती है। इसलिए इस वेध का नाम 'स्पर्श वेध' है। अर्द्धभाग का नाम 'कपाल' है अर्थात् रात्रि के अर्द्धभाग के वेध को मानने से इसका नाम 'कपालवेध' है—

अर्द्धरात्रे तु केषाञ्चिद्दशम्यां वेध इष्यते।
कपालवेध इत्याहु आचार्या ये हरिप्रियाः॥ (ब्रह्मवैवर्तपुराण)

'कूर्मपुराण' के अनुसार भी यदि अर्द्धरात्र का अतिक्रमण (उल्लंघन) कर अर्थात् ४५ घटी के उपरान्त दशमी तिथि प्राप्त हो, तो निश्चय ही एकादशी को छोड़कर द्वादशी में व्रत करना चाहिये—

अर्द्धरात्रमतिक्रम्य दशमी दृश्यते यदि।
तदा ह्येकादशीं त्वक्त्वा द्वादशीं समुपोषयेत्॥

विद्धा और शुद्धा एकादशी के ये दो भेद हैं। प्रत्येक तिथि का सम्बन्ध पूर्व या पर इन दोनों तिथियों में से किसी एक के साथ तो सामान्यतः होता ही है। अतः पूर्वातिथि (दशमी) से सम्बन्धित एकादशी को विद्धा और पर तिथि (द्वादशी) में सम्बन्धित एकादशी को 'शुद्धा' का रूप दिया गया है। इस प्रकार पूर्वाचार्यों के मत से 'विद्धा' एकादशी त्याज्य और 'शुद्धा' एकादशी ग्राह्य है भले ही एकादशी में द्वादशी आ जाय, इस बात का दोष नहीं। 'श्रीनारद-पञ्चरात्र' में अर्द्धरात्रि पर दशमी के स्पर्श की गई एकादशी के बीस प्रकार के दोषों का उल्लेख है।

❀ व्रतोत्सव सम्बन्धी सूचना ❀

श्रीनिम्बार्क-सम्प्रदाय आसेतु हिमालयपर्यन्त भारत व्यापी सम्प्रदाय है। इस सम्प्रदाय के अनुयायी सर्वत्र रहते हैं, पंचांग भी अनेक स्थानों से प्रकाशित होते हैं, सब घटी पल एक से नहीं मिलते। हमने अनेक पञ्चांगों के आधार पर व्रतोत्सव तैयार किया है, जिस पर भी यदि किसी प्रकार का विवाद हो तो आपके प्रान्त में जो भी पञ्चांग चलता है, जिसको आप मान्यता देते हों, उसी के घटी पलानुसार वेध का निर्णय मान लेवें। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

॥श्रीराधासर्वेश्वरो विजयते॥ 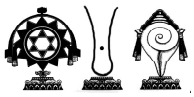 ॥श्रीभगवन्निम्बार्काचार्याय नमः॥

श्रीनिम्बार्काब्द ५१२१-५१२२ वि०सं० २०८३ का
विविध पञ्चाङ्गसमन्वित कपालवेध मतानुसार

श्रीनिम्बार्क
व्रतोत्सव निर्णय

अष्टरूपधरं रुच्यं रङ्गदेव्यादिकं सदा।
आचार्यप्रवरं प्रीत्या प्रणमामि पुनः पुनः॥
राधामुकुन्दाङ्घ्रिसरोजभृङ्गं भक्तेष्टवाञ्छातरुमाप्तसेव्यम्।
पयोधरश्यामलबन्धुराङ्गं निम्बार्कमाचार्यमनुस्मरामि॥

वि.सं. २०८३ नवसंवत्सर गुरुवार १९ मार्च २०२६

वि.सं. २०८३ चैत्र कृष्णा अमावस्या को ही नूतन चान्द्र संवत्सर प्रारम्भ होगा, चैत्र शुक्ला प्रतिपदा क्षय होने के कारण।
नवरात्रि कलश स्थापना, मिश्री कालीमिर्चयुत नवनिम्ब दलार्पण, जगद्गुरु श्रीकेशवभट्टाचार्य पाटोत्सव। ठा० श्रीराधाबिहारीजी महाराज पाटोत्सव (पन्नावाली कुञ्ज, वृन्दावन)

❀ चैत्र शुक्लपक्ष ❀

६	मंगल	२४ मार्च	ज. श्रीपुरुषोत्तमाचार्य पाटोत्सव, श्रीयमुना जयन्ती।
९	शुक्र	२७ मार्च	श्रीरामनवमी महोत्सव।
११	रवि	२९ मार्च	**श्रीकामदा एकादशी व्रत।**
१५	गुरु	२ अप्रैल	पूर्णिमा, श्रीहनुमान जयन्ती। वैशाख स्नान प्रारम्भ।

❀ वैशाख कृष्णपक्ष ❀

३	रवि	५ अप्रैल	जगद्गुरु श्रीपद्मनाभभट्टाचार्य पाटोत्सव।
५	मंगल	७ अप्रैल	जगद्गुरु श्रीरामचन्द्र भट्टाचार्य पाटोत्सव।
१२	मंगल	१४ अप्रैल	**श्रीवरूथिनी एकादशी व्रत।** (११ पूर्व विद्धा होने से आज)
३०	शुक्र	१७ अप्रैल	वैशाखी अमावस्या।

❀ वैशाख शुक्लपक्ष ❀

१	शनि	१८ अप्रैल	जगद्गुरु श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्य जी का ९८वीं जयन्ती[१]।
३	सोम	२० अप्रैल	अक्षय तृतीया, भगवान का चन्दन शृंगार एवं सत्तू, ऋतुफल शीतल पदार्थ समर्पण। भगवान श्रीपरशुराम जयन्ती।
६	बुध	२२ अप्रैल	वर्तमान जगद्गुरु निम्बार्काचार्य श्रीश्यामशरण देवाचार्य जी महाराज का विरक्त दीक्षा महोत्सव। (५ पूर्व विद्धा होने से आज)
८	शुक्र	२४ अप्रैल	जगद्गुरु श्रीविलासाचार्य पाटोत्सव।
९	शनि	२५ अप्रैल	श्रीजानकी जयन्ती (नवमी) महोत्सव।
११	सोम	२७ अप्रैल	**श्रीमोहिनी एकादशी व्रत।**
१३	बुध	२९ अप्रैल	निम्बग्राम संस्थित श्रीनिम्बार्क तप:स्थली पर विराजमान ठा॰ श्रीनिम्बार्क राधाकृष्णविहारीजू का ३९ वाँ पाटोत्सव।
१४	गुरु	३० अप्रैल	श्रीमुकुन्ददेवाचार्य पाटोत्सव[२]। श्रीनृसिंह जयन्ती।
१५	शुक्र	१ मई	पूर्णिमा व्रत। पुण्य वैशाख स्नान पूर्ति।

१. यह उत्सव 'श्रीजी' की बड़ी कुञ्ज वृन्दावन में समारोहपूर्वक मनाते हैं।
२. यह उत्सव टोपीवाली कुंज में समारोहपूर्वक मनाया जाता हैं।

❀ प्रथम ज्येष्ठ कृष्णपक्ष ❀

१	शनि	२ मई	जलसेवा आरम्भ, आज से पूर्णिमा पर्यन्त शीतल सुगन्धि जल शय्या पर भगवान की शयन सेवा। जगद्गुरु श्रीबालकृष्णदेवाचार्यजी की ८३ वीं पुण्यतिथि।
२	रवि	३ मई	श्रीधाम वृन्दावन की वनविहार परिक्रमा। श्रीनरहरिदेवजू का प्राकट्योत्सव[१]।
६	शुक्र	८ मई	जगद्गुरु श्रीवामनभट्टाचार्य पाटोत्सव।
७	शनि	९ मई	श्रीराधामाधव भगवान एवं आचार्य पंचायतन का १०९ वाँ पाटोत्सव[२]।
११	बुध	१३ मई	**श्री अपरा एकादशी व्रत।**
१३	शुक्र	१५ मई	ठा. श्रीगिरिधारी जी महाराज का पाटोत्सव[३]।
३०	शनि	१६ मई	अमावस्या। (शनि जयन्ती)

❀ अधिक मास प्रथम ज्येष्ठ शुक्लपक्ष ❀

१	रवि	१७ मई	श्री पुरुषोत्तमा (अधिक) मास माहात्म्य विधान प्रारम्भ
द्वि.११	बुध	२७ मई	**श्री पुरुषोत्तमा एकादशी व्रत।** (प्र. ११ विद्धा होने से आज)
१५	रवि	३१ मई	पूर्णिमा पुण्य।

१. यह उत्सव श्रीरसिकविहारी मन्दिर में तथा टटियास्थान में विशेष समारोह पूर्वक मनाया जाता है।
२. यह उत्सव श्रीराधामाधव (जयपुर मन्दिर) वृन्दावन में मनाया जाता है।
३. यह उत्सव श्रीगिरिधारीजी मन्दिर, पुराना शहर वृन्दावन में समारोहपूर्वक आयोजित किया जाता है।

❀ अधिक मास द्वितीय ज्येष्ठ कृष्णपक्ष ❀

१२	शुक्र	१२ जून	**श्री पुरुषोत्तमा एकादशी व्रत।** (११ पूर्व विद्धा होने से आज)
३०	सोम	१५ जून	**सोमवती अमावस्या** अधिक मास पूर्ण

❀ द्वितीय ज्येष्ठ शुक्लपक्ष ❀

३	बुध	१७ जून	जगद्गुरु श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्य जी महाराज का ८३ वाँ पाटोत्सव[१] एवं वर्तमान जगद्गुरु श्री 'श्रीजी' निम्बार्काचार्य श्रीश्यामशरणदेवाचार्यजी महाराज का युवराज पदासीन उत्सव। श्रीपरशुरामद्वारा मथुरा में श्रीठाकुरजी का पाटोत्सव। श्रीपरशुरामदेवाचार्य उत्सव। (२ पूर्व विद्धा होने से आज)
४	गुरु	१८ जून	जगद्विजयी श्रीकेशवकाश्मीरिभट्टाचार्य पाटोत्सव[२]।
५	शुक्र	१९ जून	जगद्गुरु श्रीनिम्बार्कशरणदेवाचार्य पाटोत्सव। जगद्गुरु श्रीब्रजराजशरणदेवाचार्य पाटोत्सव।
७	रवि	२१ जून	जगद्गुरु श्रीस्वरूपाचार्य पाटोत्सव। भगवान श्रीराधागोपालजी का पाटोत्सव[३]।

१. यह उत्सव 'श्रीजी' की बड़ी कुंज, वृन्दावन तथा अ.भा. आचार्यपीठ निम्बार्कतीर्थ में विशेष रूप से मनाया जाता है।

२. यह उत्सव बाबा श्रीगोविन्दशरणजी महाराज, वृन्दावन तथा आचार्य समाधि स्थल श्रीनारद टीला (मथुरा) में श्रीजयकिशोरशरण मनाते हैं।

३. यह महोत्सव श्रीब्रह्मचारीजी महाराज (ग्वालियर राज्य) मन्दिर, वृन्दावन में मनाया जाता है।

९	मंगल	२३ जून	श्रीवृन्दावनस्थ श्रीजी की बड़ी कुंज में ठाकुर श्रीआनन्दमनोहरवृन्दावनचन्द्रजू एवं श्रीरूप-मनोहर-वृन्दावनचन्द्रजू का २०० वाँ पाटोत्सव[१]।
१०	बुध	२४ जून	श्री गंगा दशहरा। अ. भा. श्रीनिम्बार्काचार्यपीठस्थ श्रीराधामाधव भगवान का २६० वाँ पाटोत्सव[२],
११	गुरु	२५ जून	**श्रीनिर्जला एकादशी व्रत।**
१५	सोम	२९ जून	पूर्णिमा व्रत।
			❀ आषाढ़ कृष्णपक्ष ❀
८	बुध	८ जुलाई	जगद्गुरु श्रीपद्माकरभट्टाचार्य पाटोत्सव।
९	गुरु	९ जुलाई	जगद्गुरु श्रीकृष्णभट्टाचार्य पाटोत्सव।
१२	शनि	११ जुलाई	**श्री योगिनी एकादशी व्रत।** (११ क्षय होने से आज)
३०	मंगल	१४ जुलाई	अमावस्या।
			❀ आषाढ़ शुक्लपक्ष ❀
२	गुरु	१६ जुलाई	श्रीरथयात्रा महोत्सव।
१०	शुक्र	२४ जुलाई	जगद्गुरु श्रीमाधवाचार्य पाटोत्सव।
११	शनि	२५ जुलाई	**श्रीदेवशयनी एकादशी व्रत।**
१५	बुध	२९ जुलाई	श्रीगुरु पूर्णिमा। श्रीहंसभगवान् से लेकर वर्तमान आचार्य पर्यन्त समस्त आचार्यों एवं निज गुरुदेव का पूजन[३]।

१. यह उत्सव 'श्रीजी' की बड़ी कुञ्ज में सप्त दिवस पर्यन्त विशेष रूप से मनाया जाता है, फूलबंगला में ठाकुरजी के भव्य दर्शन होते है।
२. यह उत्सव अ.भा. श्री निम्बार्कतीर्थ में बड़े धूमधाम से सम्पन्न होता है।
३. यह महोत्सव अ.भा. श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ, निम्बार्कतीर्थ में वृहत् रूप से विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है।

❀ श्रावण कृष्णपक्ष ❀

११	रवि	९ अगस्त	**श्रीकामदा एकादशी व्रत।**
३०	बुध	१२ अगस्त	श्रीहरियाली अमावस्या।

❀ श्रावण शुक्लपक्ष ❀

३	शनि	१५ अगस्त	झूलनोत्सव प्रारम्भ। हरियाली तीज। स्वामी श्रीविहारिनदेवजी का प्राकट्योत्सव[१]। जगद्गुरु श्रीबलभद्राचार्य पाटोत्सव। ८० वाँ राष्ट्रीय स्वतन्त्रता दिवस।
७	बुध	१९ अगस्त	जगद्गुरु श्रीगोपीनाथभट्टाचार्य पाटोत्सव।
१२	सोम	२४ अगस्त	**श्रीपवित्रा एकादशी व्रत।** (११ पूर्व विद्धा होने से आज)
१५	शुक्र	२८ अगस्त	पूर्णिमा पुण्य, झूलनोत्सव पूर्ति। भद्रा मुक्त सम्पूर्ण दिवस, रक्षाबन्धन, श्रावणी उपाकर्म।

❀ भाद्रपद कृष्णपक्ष ❀

६	बुध	२ सितम्बर	श्रीनिम्बार्काचार्यपीठाधीश्वर जगद्गुरु श्रीपरशुरामदेवाचार्य पाटोत्सव[२]। (५ क्षय होने से आज)
९	शनि	५ सितम्बर	लीला पुरुषोत्तम श्रीकृष्ण जयन्ती महोत्सव[३]।
१०	रवि	६ सितम्बर	श्रीनन्द महोत्सव। (श्रीजी की बड़ी कुञ्ज)।
११	सोम	७ सितम्बर	**श्रीअजा एकादशी व्रत।**
१२	मंगल	८ सितम्बर	गोवत्स पूजन (बछ वारस)।

१. यह उत्सव टटियास्थान वृन्दावन में समारोह पूर्वक मनाया जाता है।
२. यह उत्सव श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ निम्बार्कतीर्थ, श्रीपरशुरामद्वारा मथुरा एवं श्रीगिरधारी मन्दिर वृन्दावन आदि स्थानों पर विशेष रूप से मनाते हैं।
३. इस अवसर पर श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ निम्बार्कतीर्थ में एक सांस्कृतिक विशेष मेला लगता है, जिसमें दूर-दूर से दर्शनार्थी सम्मिलित होते हैं।

१३	बुध	९ सितम्बर	जगद्गुरु श्रीवृन्दावनदेवाचार्य पाटोत्सव।
१४	गुरु	१० सितम्बर	कुशोत्पाटनी अमावस्या।
३०	शुक्र	११ सितम्बर	देवकार्य अमावस्या।

❀ भाद्रपद शुक्लपक्ष ❀

४	मंगल	१५ सितम्बर	श्रीगणेश जयन्ती।
५	बुध	१६ सितम्बर	श्रीऋषि पंचमी।
६	गुरु	१७ सितम्बर	श्रीबलदेव जयन्ती एवं श्रीनिम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्रीश्यामशरणदेवाचार्य "श्रीजी" महाराज का जन्मोत्सव।
८	शनि	१९ सितम्बर	श्रीराधाष्टमी महोत्सव[१]। स्वामी श्रीहरिदासजी महाराज का जयन्ती उत्सव[२]।
९	रवि	२० सितम्बर	श्रीमद्भागवत जयन्ती महोत्सव।
११	मंगल	२२ सितम्बर	**श्रीपद्मा (जल झूलनी) एकादशी व्रत।** जगद्गुरु श्रीगोपालाचार्य पाटोत्सव।
१२	बुध	२३ सितम्बर	श्रीवामन जयन्ती। जगद्गुरु श्रीपद्माचार्य पाटोत्सव। विजया महाद्वादशी व्रत
१४	शुक्र	२५ सितम्बर	श्रीअनन्त चतुर्दशी।
१५	शनि	२६ सितम्बर	पूर्णिमा व्रत। श्रीमद्भागवत पूर्ति पूजन। श्राद्ध पक्ष प्रारम्भ। सखी श्रीरंगदेवी-श्रीसुदेवी जयन्ती[३]।

१. वृन्दावन में श्रीराधाप्राकट्य उत्सव श्रीजी की बड़ी कुञ्ज तथा श्रीजयकिशोरशरण, जयन्तीनन्दन कुञ्ज (सन्त कॉलोनी), अलीमाधुरी कुटी में मनाया जाता है।
२. टटिया स्थान व श्रीबाँकेबिहारीजी का विशेष उत्सव है।
३. पैगाँव में महन्तजी, श्रीरंगदेवी मंदिर रॉकोली (बरसाना), राधिका कुञ्ज वृन्दावन, प्यारी कुंज वृन्दावन में यह उत्सव मनाते हैं।

❀ आश्विन कृष्णपक्ष ❀

२	सोम	२८ सितम्बर	ज.गु. श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्य जी की श्राद्ध तिथि।
६	शुक्र	२ अक्टूबर	जगद्गुरु श्रीघनश्यामशरणदेवाचार्य पाटोत्सव।
७	शनि	३ अक्टूबर	श्रीचतुरचिन्तामणि 'नागाजी' महाराज का पाटोत्सव।
११	मंगल	६ अक्टूबर	जगद्गुरु श्रीभूरिभट्टाचार्य पाटोत्सव। (दशमी पूर्व विद्धा होने से आज)
१२	बुध	७ अक्टूबर	**श्रीइन्दिरा एकादशी व्रत।** (११ पूर्व विद्धा होने से आज)
३०	शनि	१० अक्टूबर	अमावस्या।

❀ आश्विन शुक्लपक्ष ❀

१	रवि	११ अक्टूबर	शारदीय नवरात्रारम्भ, प्रातः घट स्थापना।
२	सोम	१२ अक्टूबर	आदिवाणीकार (श्रीयुगलशतक निर्माता) श्री श्रीभट्टदेवाचार्यजी महाराज का पाटोत्सव[१]।
प्र.७	शनि	१७ अक्टूबर	श्रीसरस्वती आह्वानम् व पूजन।
९	मंगल	२० अक्टूबर	श्रीदुर्गा नवमी पूजन। सरस्वती विसर्जन।
१०	बुध	२१ अक्टूबर	श्रीविजयादशमी, श्रीसुदर्शनादि सर्वायुध पूजा, शमी पूजन।
११	गुरु	२२ अक्टूबर	**श्रीपापांकुशा एकादशी व्रत।**
१३	शनि	२४ अक्टूबर	जगद्गुरु श्रीश्यामाचार्य पाटोत्सव।
१४	रवि	२५ अक्टूबर	शरत्पूर्णिमा व्रत। खीरपान, रासोत्सव, रात्रि को चन्द्रमा पूर्णकलायुक्त होने से आज शरदोत्सव।

१. यह उत्सव 'श्रीनागाजी की कुञ्ज' विहारघाट, पिसाये वाले बाबा की कुटिया में श्रीअलबेलीशरणजी तथा श्रीनारदटीला आचार्य-समाधि स्थल, मथुरा आदि स्थानों में समारोहपूर्वक मनाते हैं।

१५	सोम	२६ अक्टूबर	पूर्णिमा, कार्तिक स्नान प्रारम्भ। स्वामी श्रीसरसदेवजी महाराज का जयन्ती उत्सव[१]।

❀ कार्तिक कृष्णपक्ष ❀

५	शुक्र	३० अक्टूबर	जगद्गुरु श्रीगोविन्ददेवाचार्य पाटोत्सव।
८	सोम	२ नवम्बर	जगद्गुरु श्रीगोविन्दशरणदेवाचार्य पाटोत्सव।
९	मंगल	३ नवम्बर	जगद्गुरु श्रीश्रवणभट्टाचार्य पाटोत्सव।
११	गुरु	५ नवम्बर	**श्रीरमा एकादशी व्रत।** जगद्गुरु श्रीमाधवभट्टाचार्य पाटोत्सव।
१२	शुक्र	६ नवम्बर	श्रीमहावाणीकार रसिकराज महाराजेश्वर श्रीहरिव्यासदेवाचार्य पाटोत्सव[२] ।
१३	शनि	७ नवम्बर	श्रीधन्वन्तरी जयन्ती (धनतेरस)।
१४	रवि	८ नवम्बर	रूप चतुर्दशी। श्रीमहालक्ष्मीपूजन, दीपमालिका प्रदोष वेलायाम् दीपोत्सव, श्रीराधिकोत्थापन।
३०	सोम	९ नवम्बर	**सोमवती अमावस्या ।**

❀ कार्तिक शुक्लपक्ष ❀

१	मंगल	१० नवम्बर	श्रीअन्नकूट महोत्सव, श्रीगोवर्धन पूजा 'श्रीजी' की बड़ी कुञ्ज, वृन्दावन में।
३	गुरु	१२ नवम्बर	अन्नकूट महोत्सव, श्रीनिम्बार्क आश्रम (शान्ति निकेतन) वृन्दावन।

१. यह उत्सव टटियास्थान वृन्दावन में विशेष रूप से मनाया जाता है।

२. यह पाटोत्सव श्रीराधारसिक मण्डल (जयपुर मन्दिर), बिहारीजी का बगीचा, वृन्दावन, श्रीनारदटीला आचार्य-समाधि स्थल, मथुरा में एवं श्रीदेवराधारमण मन्दिर, सीता नगर (दमोह) में विशेष समारोह पूर्वक मनाया जाता है।

८	मंगल	१७ नवम्बर	श्रीगोपाष्टमी महोत्सव 'श्रीजी' की बड़ी कुञ्ज एवं निम्बार्काचार्यपीठ में गो पूजन। श्रीस्वभूरामदेवाचार्य पाटोत्सव[१]।
द्वि.९	गुरु	१९ नवम्बर	अक्षय नवमी, सम्प्रदाय प्रवर्तक श्रीहंस भगवान्, श्रीसनकादिक जयन्ती एवं श्रीसर्वेश्वर प्रभु का प्राकट्य दिवस[२]। मथुरा-वृन्दावन युगल परिक्रमा। (प्र. ९ विद्धा होने से आज)
१२	शनि	२१ नवम्बर	**श्रीदेव प्रबोधिनी एकादशी व्रत ।** (११ क्षय होने से आज)
१५	मंगल	२४ नवम्बर	पूर्णिमा व्रत। आद्याचार्य जगद्गुरु श्रीनिम्बार्क भगवान् का ५१२२वाँ जयन्ती महोत्सव[३]। श्रीजी की बड़ी कुञ्ज में विराजमान ठा. श्रीमुरलीमनोहरवृन्दावनचन्द्र जी का पाटोत्सव।

❀ मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष ❀

१	बुध	२५ नवम्बर	श्रीनिम्बार्क भगवान् की शोभायात्रा निम्बग्राम (गोवर्धन), श्रीनिम्बार्क कोट वृन्दावन, बरसाना, पिसावा (करहला), श्रीसर्वेश्वर संसद जयपुर, श्रीनिम्बार्क-प्राकट्यधाम मूँगी-पैठण, श्रीनिम्बार्क धनीराम विद्यालय निम्बार्क नगर, मथुरा आदि स्थानों में प्रतिवर्ष समारोहपूर्वक सम्पन्न होती है।

१. युगल भवन (मोतीझील) वृन्दावन में यह उत्सव समारोह के साथ मनाया जाता है।
२. यह महोत्सव श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ निम्बार्कतीर्थ, 'श्रीजी' की बड़ी कुञ्ज वृन्दावन, जयपुर, पुष्कर, निम्बग्राम आदि स्थानों में समारोह-पूर्वक मनाया जाता है।
३. श्रीनिम्बार्काचार्य जयन्ती महोत्सव वृन्दावनस्थ श्रीनिम्बार्ककोट में 'श्रीजी' की बड़ी कुञ्ज वृन्दावन, निम्बग्राम (गोवर्द्धन), श्रीबालकृष्णदास बरसाना, श्रीनिम्बार्क प्राकट्य धाम मूंगी-पैठण महाराष्ट्र, अ.भा. श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ, पुष्कर, जयपुर, अजमेर आदि स्थानों में बड़े धूमधाम के साथ मनाते हैं।

८	मंगल	१ दिसम्बर	जगद्गुरु श्रीहरिवंशदेवाचार्य पाटोत्सव[१]। (७ पूर्व विद्धा होने से आज) स्वामी श्रीललितकिशोरीदेव प्राकट्योत्सव[२]।
११	शुक्र	४ दिसम्बर	**श्रीउत्पत्ति एकादशी व्रत।**
३०	मंगल	८ दिसम्बर	अमावस्या।
			❀ मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष ❀
२	शुक्र	११ दिसम्बर	सेतुकार श्रीसुन्दरभट्टाचार्य पाटोत्सव।
३	शनि	१२ दिसम्बर	रास प्रवर्तक श्रीउद्धवघमण्डदेवाचार्यजी प्राकट्योत्सव[३]।
५	सोम	१४ दिसम्बर	श्रीबाँकेबिहारीजी महाराज का प्राकट्योत्सव[४]। स्वामी श्रीविठलविपुलदेवजी का प्राकट्योत्सव[५]।
११	रवि	२० दिसम्बर	**श्रीमोक्षदा एकादशी।** श्रीमद्भगवद् गीता जयन्ती।
१२	सोम	२१ दिसम्बर	श्रीनारद जयन्ती, व्यञ्जन द्वादशी[६]।
१४/१५	बुध	२३ दिसम्बर	पूर्णिमा व्रत।
			❀ पौष कृष्णपक्ष ❀
१	गुरु	२४ दिसम्बर	जगद्गुरु श्रीकृपाचार्य पाटोत्सव। (१५ क्षय होने से आज)

१. यह उत्सव श्रीनिम्बार्क जू. हाईस्कूल में आचार्य-समाधि-पूजन एवं बधाई-गायन के साथ मनाया जाता है।
२. यह उत्सव टटिया स्थान, वृन्दावन में मनाया जाता है।
३. श्रीघमण्डदेवाचार्य-रासमण्डल करहला (बरसाना निकट) में यह उत्सव समारोहपूर्वक मनाया जाता है।
४. यह उत्सव टटिया स्थान एवं श्रीबाँकेबिहारीजी मन्दिर वृन्दावन में विशेष रूप से मनाया जाता है।
५. यह उत्सव टटिया स्थान वृन्दावन में प्रतिवर्ष मनाया जाता है।
६. बौहरेजी की कुञ्ज, वृन्दावन, श्रीनारदटीला, मथुरा तथा श्रीनारदकुंड, गोवर्धन में विशेष रूप से मनाते हैं।

६	मंगल	२९ दिसम्बर	जगद्गुरु श्रीसर्वेश्वरशरणदेवाचार्य पाटोत्सव।
११	रवि	३ जनवरी	**श्रीसफला एकादशी व्रत।**
		२०२७	जगद्गुरु श्रीगोपालभट्टाचार्य पाटोत्सव।
३०	गुरु	७ जनवरी	अमावस्या पुण्य।

❀ पौष शुक्लपक्ष ❀

१	शुक्र	८ जनवरी	श्रीनिम्बार्क आश्रम (शान्ति निकेतन) वृन्दावन में श्रीघनश्यामदासजी महाराज का निकुञ्जोत्सव।
६	गुरु	१४ जनवरी	मकरेऽर्क १०/१० बजे रात्रि, पुण्य १५ जनवरी प्रातः से। जगद्गुरु निम्बार्काचार्य श्रीराधासर्वेश्वर-शरणदेवाचार्य श्री 'श्रीजी' महाराज का भगवद्धाम प्रवेश संक्रान्ति।
९	रवि	१७ जनवरी	जगद्गुरु श्रीनारायणदेवाचार्य पाटोत्सव।
११	मंगल	१९ जनवरी	**श्रीपुत्रदा एकादशी व्रत। त्रिस्पृर्शा महाद्वादशी व्रत।**
१५	शुक्र	२२ जनवरी	पूर्णिमा व्रत। माघ स्नान प्रारम्भ।

❀ माघ कृष्णपक्ष ❀

२	रवि	२४ जनवरी	वर्तमान जगद्गुरु श्रीनिम्बार्काचार्य 'श्रीजी' महाराज के निज गुरुदेव श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्य जी की १०वीं पुण्यतिथि।
५	मंगल	२६ जनवरी	७८ वाँ गणतन्त्र दिवस।
७	गुरु	२८ जनवरी	श्रीनिम्बार्क श्रीराधागोविन्दविहारीजी का १९वाँ पाटोत्सव, श्रीनिम्बार्क सम्प्रदाय वैरागी मठ, भजनदास चौक, पण्डरपुर (महाराष्ट्र) में। (६ पूर्व विद्धा होने से आज)

द्वि.१०	सोम	१ फरवरी	जगद्गुरु श्रीगोपीश्वरशरणदेवाचार्य पाटोत्सव। (प्रथम १० विद्धा होने से आज)
११	मंगल	२ फरवरी	**श्रीषट्तिला एकादशी व्रत।** स्वामी श्रीललितमोहनीदेव प्राकट्योत्सव[१]। श्रीभगवन्निम्बार्काचार्य, मूंगी-पैठण (महाराष्ट्र) का २३ वाँ पाटोत्सव।
१४	शुक्र	५ फरवरी	जगद्गुरु श्रीबलभद्रभट्टाचार्य पाटोत्सव।
३०	शनि	६ फरवरी	मौनी अमावस्या।

❀ माघ शुक्लपक्ष ❀

५	गुरु	११ फरवरी	श्रीवसन्तोत्सव, श्रीसरस्वती जयन्ती पूजन।
६	शुक्र	१२ फरवरी	गीतगोविन्दकार श्रीजयदेव महाकवि जयन्ती। स्वामी श्रीरसिकदेव प्राकट्योत्सव[२]। भाष्यकार श्रीनिवासाचार्य पाटोत्सव[३]। जाह्नवीकार श्रीदेवाचार्यजी पाटोत्सव। वर्तमान श्रीनिम्बार्काचार्यपीठाधीश्वर श्रीश्याम-शरणदेवाचार्य जी महाराज का ९वाँ पाटोत्सव। (५ पूर्व विद्धा होने से आज)
११	बुध	१७ फरवरी	**श्रीजया एकादशी व्रत।**
१२	गुरु	१८ फरवरी	श्रीजया महाद्वादशी व्रत। एकादशी व द्वादशी दोनों व्रत करें, नही तो एकादशी का त्यागकर महाद्वादशी में यह व्रत करें।
१४/१५	शनि	२० फरवरी	पूर्णिमा व्रत। माघ स्नान पूर्ण।

१. यह उत्सव टटियास्थान वृन्दावन में प्रतिवर्ष विशेष रूप से होता है।
२. यह उत्सव श्रीरसिकविहारी मन्दिर एवं टटिया संस्थान वृन्दावन में मनाया जाता है।
३. यह उत्सव महन्तजी केशव-कुञ्ज (किशोरपुरा, वृन्दावन) एवं श्रीनिवासाचार्य बैठक, श्रीराधाकुंड में श्रीजयकिशोरशरण जी मनाते हैं।

❀ फाल्गुन कृष्णपक्ष ❀

५	गुरु	२५ फरवरी	श्रीमहावाणी का वसन्तोत्सव आरम्भ[१]।
७	शनि	२७ फरवरी	श्रीभक्तमाल जयन्ती महोत्सव[२]।
११	गुरु	४ मार्च	**श्रीविजया एकादशी व्रत।**
१२	शुक्र	५ मार्च	श्रीविजया महाद्वादशी व्रत।
१४	रवि	७ मार्च	श्रीमहाशिवरात्रि व्रत।
३०	सोम	८ मार्च	**सोमवती अमावस्या।**

❀ फाल्गुन शुक्लपक्ष ❀

२	बुध	१० मार्च	फूलेरा दोज- ठा. श्रीशान्तिविहारीजी महाराज का पाटोत्सव[३]।
४	शुक्र	१२ मार्च	जगद्गुरु श्रीविश्वाचार्य पाटोत्सव।
८	मंगल	१६ मार्च	रंगीली एवं लट्ठामार होरी बरसाना।
१०	बुध	१७ मार्च	लट्ठामार होरी नन्दगाँव।
१२	शुक्र	१९ मार्च	**श्रीआमल एकादशी व्रत**, होरी उत्सव, वृन्दावन। (११ पूर्व विद्धा होने से आज)

१. यह उत्सव जयपुरीय-भक्तजन श्रीनवलचन्द्र-निकुञ्ज वृन्दावन में समारोह पूर्वक मनाते हैं।

२. श्रीभक्तमाल उत्सव श्रीप्रेमनारायण श्रीवास्तव के पुत्र श्रीअतुल श्रीवास्तव (मोटे गणेश, वृन्दावन) मनाते हैं।

३. श्रीठाकुरजी का पाटोत्सव श्रीनिम्बार्क आश्रम (शान्ति निकेतन) रमणरेती, वृन्दावन में मनाया जाता है।

१४	रवि	२१ मार्च	पूर्णिमा व्रत। होलिका पर्व, होलिका दीपन। रात्रि ६/४५ से ९/०९ बजे रात्रि तक होलिका दहन करें[१]।
१५	सोम	२२ मार्च	धूलिवन्दन (छारंडी) दोलोत्सव।

❀ चैत्र कृष्णपक्ष ❀

२	बुध	२४ मार्च	जगद्गुरु श्रीगांगलभट्टाचार्य पाटोत्सव।
३	गुरु	२५ मार्च	जगद्गुरु श्रीउपेन्द्रभट्टाचार्य पाटोत्सव।
१२	शनि	३ अप्रैल	**श्रीपापमोचिनी एकादशी व्रत।** (११ पूर्व विद्धा होने से आज)
१३	रवि	४ अप्रैल	जगद्गुरु श्रीश्यामभट्टाचार्य पाटोत्सव। जगद्गुरु श्रीबालकृष्णशरणदेवाचार्यजी का १२० वाँ पाटोत्सव। (१२ पूर्व विद्धा होने से आज)
३०	मंगल	६ अप्रैल	चैत्री अमावस्या। चान्द्रवर्ष २०८३ पूर्ति । **रौद्र संवत्सर समाप्त।**

१. यह उत्सव अलीमाधुरी कुटी, वृन्दावन में निकुञ्ज होली लीला दर्शन के साथ तथा 'श्रीजी' की बड़ी कुञ्ज वृन्दावन में मनाया जाता है। फालेन ग्राम में श्रीबालकदासजी विशेष रूप से मनाते हैं, वहाँ का पण्डा होलिकादहन में जलती आग में से निकलता है।

श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ निम्बार्कतीर्थ-सलेमाबाद के दर्शनीय उत्सव एवं महोत्सव

१. **अक्षय तृतीया—**

इस दिन भगवान श्रीराधामाधवजी की चन्दन शृंगारयुक्त मनोहर झाँकी के दर्शन।

२. **श्रीराधामाधवजी का पाटोत्सव—**

भगवान का पञ्चामृताभिषेक, विशेष नैवेद्य समर्पण एवं मनोहर फूल बंगला में दर्शन।

३. **रथयात्रा महोत्सव—**

निज मन्दिर के बाहर जगमोहन में पुजारीगण एवं आचार्यश्री द्वारा रथों का अनुपम द्रुतगति परिचालन दर्शन।

४. **श्रीगुरु पूर्णिमा—**

आज के दिन बृहद् रूप से भक्त समुदाय एकत्रित होकर पूज्य आचार्य-श्रीचरणों का पूजन करते हैं।

५. **झूलनोत्सव—**

यह उत्सव भी दर्शनीय है, झूलों की अनुपम छवि परम चित्ताकर्षक आनन्दकारी होती है।

६. **श्रीकृष्ण-जयन्ती, नन्द महोत्सव—**

यह तो यहाँ का ऐतिहासिक दर्शनीय मुख्य महोत्सव (वृहद् मेला) है, पुष्कर क्षेत्र में अ०भा० श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ के संस्थापक श्रीपरशुराम-देवाचार्यजी का पाटोत्सव भी इसी के अन्तर्गत है।

७. **श्रीराधा जयन्ती महोत्सव—**

यह महोत्सव अ०भा० श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ द्वारा प्रतिष्ठापित एवं संचालित श्रीराधासर्वेश्वर मन्दिर मदनगंज में बड़े ही समारोहपूर्वक प्रतिवर्ष समायोजित होता है।

८. **श्रीमद्भागवत जयन्ती महोत्सव—**

इस उत्सव का सुन्दर आयोजन अ०भा० श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ द्वारा प्रतिष्ठापित एवं संचालित श्रीनिम्बार्कगोपीजनवल्लभ मन्दिर, निम्बार्ककोट-अजमेर में सम्पादित होता है।

९. **शरत्पूर्णिमा—**

नख-शिख पर्यन्त शुभ्र शृंगार युक्त श्रीराधा-माधवजी की मनोहर झाँकी के दर्शन।

१०. **विजयादशमी—**

सुदर्शनादि समस्त आयुधों की पूजा के साथ-साथ शमी पूजन एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की शोभायात्रा।

११. **दीपोत्सव—**

श्रीमहालक्ष्मीजी का पूजन, श्रीराधिकोत्थापन एवं दीपदानपूर्वक दीपमाला की परम मनोहर सुन्दर सजावट।

१२. **अन्नकूट महोत्सव—**

श्रीगोवर्धन पूजा एवं श्रीसर्वेश्वर-राधामाधव प्रभु के विविध मधुर पदार्थ भोग दर्शन।

१३. **श्रीहंस-सनकादि जयन्ती एवं श्रीसर्वेश्वर-प्राकट्य महोत्सव-**

यह दिव्योत्सव श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ एवं पीठ द्वारा प्रतिष्ठापित व संचालित श्रीपरशुरामद्वारा स्थान (पुष्कर) में सम्पन्न होता है। यहाँ उक्त स्थान में भक्तिमती श्रीमीरांबाई के उपास्यदेव श्रीगिरधरगोपाल भगवान विराजमान हैं। यहाँ परमाचार्यवर श्रीपरशुरामदेवाचार्यजी महाराज के योग समाधि के सुन्दर दर्शन हैं।

१४. **श्रीनिम्बार्क जयन्ती महोत्सव—**

यह महोत्सव अ०भा० श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ में एवं आचार्यपीठ द्वारा प्रतिष्ठापित एवं संचालित श्रीपरशुरामद्वारा स्थान श्रीपुष्करराज में विविध समारोहपूर्वक प्रतिवर्ष बड़े उल्लास के साथ सम्पादित होता है।

इसी प्रकार यह महोत्सव श्रीनिम्बार्कराधाकृष्णविहारी मन्दिर निम्बग्राम एवं श्री श्रीजी बड़ी कुञ्ज वृन्दावन में तथा श्रीनिम्बार्क प्राकट्यधाम-मूँगी (पैठण) में परमोल्लास के साथ मनाया जाता है।

१५. श्रीनिम्बार्क जयन्ती छठी महोत्सव—

यह पावन महोत्सव अ०भा० श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ, निम्बार्कतीर्थ (सलेमाबाद) में नानाविध कार्यक्रमों के साथ प्रतिवर्ष सम्पन्न होता है।

१६. फूल-डोल—

फूलों के हिण्डोला में श्रीप्रिया-प्रियतम के दर्शन तथा सुगन्धित अबीर गुलाल की बहार एवं रंगभरी पिचकारियों की फुहार।

१७. अधिकमास (पुरुषोत्तममास)—

प्रत्येक तृतीय वर्ष आने वाले अधिकमास के अवसर पर श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ में अनेकविध यज्ञादि आयोजनों के साथ यह महोत्सव समायोजित होता है।

१८. महाकुम्भादि पर्वों पर श्रीनिम्बार्कनगर—

प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक, वृन्दावन के महाकुम्भादि पर्वों पर श्रीनिम्बार्कनगर का भव्य निर्माण होता है। जहाँ श्रीसनकादि महर्षि संसेवित श्रीसर्वेश्वर प्रभु की सेवा तथा उनके दिव्य दर्शन एवं अखण्ड श्रीभगवन्नाम संकीर्तन, अनुष्ठान, पाठ, कथा-प्रवचन, श्रीरासलीला, श्रीरामलीला, सन्तसेवा, औषधालय, पुस्तकालय आदि के साथ भक्तजनों की आवास व्यवस्था भी रहती है। एक मास पर्यन्त यह महोत्सव संचालित रहता है, जो अतीव दर्शनीय एवं परमानन्दप्रद होता है।

उपर्युक्त प्रत्येक महोत्सव जगद्गुरु निम्बार्काचार्यपीठाधीश्वर श्री 'श्रीजी' महाराज के पावन सान्निध्य में ही सम्पन्न होते हैं।

श्रीसर्वेश्वर कार्यालय 'श्रीजी' की बड़ी कुञ्ज से प्राप्त होने वाले ग्रन्थ

१.	श्रीमहावाणी (मूल) (शब्दार्थ-सचित्र)	४००/-
२.	श्रीनिम्बार्काचार्य और उनका सम्प्रदाय	२००/-
३.	श्रीनिम्बार्क सम्प्रदाय एवं श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ	१२०/-
४.	श्री श्रीभट्टदेवाचार्य और उनका युगलशतक	२००/-
५.	श्रीनाभाजी कृत श्रीभक्तमाल (सम्पूर्ण)	४५१/-
६.	श्रीवृन्दावनाङ्क	२००/-
७.	श्रीव्रजलीला अङ्क	२००/-
८.	रसोपासना अङ्क	२००/-
९.	भक्तगाथा अङ्क	२००/-
१०.	सुन्दराङ्क (प्रथम द्वितीय दोनों)	२००/-
११.	गीता विशेषाङ्क	२००/-
१२.	श्रीमद्भगवद्गीता (व्याख्याकार वैष्णवदासजी)	२००/-
१३.	वेदान्त-कामधेनु (भाषा टीका)	३०/-
१४.	वेदान्त-कौस्तुभ (वेदान्त पारिजात सौरभ-सहित)	१००/-
१५.	परपक्षगिरिवज्र (सटीक)	३००/-
१६.	वेदान्त-कौस्तुभप्रभा (सटीक)	२५०/-
१७.	वेदान्त-कौस्तुभप्रभा (मूल)	१००/-
१८.	ईशाद्यष्टोपनिषद् (सटीक)	१००/-
१९.	छान्दोग्योपनिषद् (सटीक)	१००/-
२०.	वृहदारण्यकोपनिषद् एवं श्वेताश्वेतरोपनिषद्	१००/-
२१.	वेदान्त-रत्नमाला (सटीक)	१००/-
२२.	आत्मपरमात्मतत्त्वदर्शन	१००/-
२३.	श्रीनारदनियमानन्दगोष्ठी रहस्यम् (भाषा टीका)	१०/-
२४.	वेदान्त-रत्नमंजूषा (भाषा/टीका)	१००/-
२५.	श्रीऔदुम्बर-संहिता (भाषा टीका)	१००/-
२६.	भक्ति-सिद्धान्त-रत्नाञ्जलि	२०/-

२७.	श्रीस्तव-रत्नाञ्जलि	३१/-
२८.	क्रमदीपिका	५१/-
२९.	स्तुति-संकीर्तन (मन्त्रजप-विधिसहित)	३१/-
३०.	श्रीनारद-भक्तिसूत्र	१०/-
३१.	श्रीगोपालसहस्त्रनाम	५०/-
३२.	श्रीसुदर्शन-कवचम्	१०/-
३३.	श्रीनिम्बार्कचरितम्	१०/-
३४.	श्रीनिम्बार्क-सहस्त्रनाम	१०/-
३५.	श्रीराधा-सहस्त्रनाम	१०/-
३६.	श्रीयुगलशतक (मूल) (सजिल्द)	१००/-
३७.	श्रीयुगलशतक (मूल)	३०/-
३८.	सेवासुख (सजिल्द)	१००/-
३९.	सेवासुख मूल (शब्दार्थ सहित)	५०/-
४०.	उत्साह-सुख	१००/-
४१.	श्रीकेलीमाल (स्वामी श्रीहरिदासजी की वाणी)	२०/-
४२.	गीतामृत गंगा (श्रीवृन्दावनदेवाचार्यजी की वाणी)	१००/-
४३.	श्रीगोविन्दशरणदेवाचार्यजी की वाणी	१००/-
४४.	श्रीब्रजविहार अंक (श्रीनारायण स्वामीजी की वाणी)	१५०/-
४५.	लाल बलवीर का हजारा	१००/-
४६.	श्रीनिम्बार्काचार्य प्रभु द्वारा उपदिष्ट वैष्णवों के महाकौस्तुभ 'व्रत-पञ्चक'	५१/-
४७.	श्रीपरशुराम रत्नावली	१०/-
४८.	श्रीसर्वेश्वर चालीसा	१०/-
४९.	श्रीराधाकृष्ण-कृपाकटाक्ष (अन्य स्तोत्र सहित)	१०/-
५०.	श्रीनाभाजी कृत भक्तमाल पूर्वार्द्ध	२००/-
५१.	श्रीसर्वेश्वर मासिक पत्र वार्षिक सेवा	२५०/-
५२.	श्रीसर्वेश्वर पत्र २१ वर्षीय सदस्य सेवा	२५००/-